آستانہ حضرات مخدومین سادات چودھوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللہِ الْمَلِکِ السَّلٰمِ

ص م ح م د صلی اللہ علیہ وسلم

ص ح م د م صلی اللہ علیہ وسلم

ص م د م ح صلی اللہ علیہ وسلم

ص د م ح م صلی اللہ علیہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی ہرمشکل حل ہوگی انشاءاللہ

अस्सलामुल्मुहम्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़्तति

सलामे मोहम्मदी चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत 11

पेशकश

बमौक़ा मुहर्रम 1438हि0

बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोहयुद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व हज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोहम्मद अज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि

अल्लाहुम्म ल कल्ह़म्दु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि सर्मदवँ व सल्लिम सलामन दाइमन अ़ला मौलाई ह़ामिलि लिवाइकल ह़म्दि इस्मुहू ह़ामिदूँ व मम्दूहि क व अस़्लि कुल्लि आ़लमि क व इमामि कुल्लि आ़लमि क व मुअ़तियि आलाइ क व लम्इल हुदा व हु व वुद्दु क मुहम्मदुर्रसू लुल्लाहि व स़ा र वालिदुहू अल्मअ़ल वालिदि व उम्मुहू अल्मअ़ल उम्मि व आलुहू अल्मअ़ल आलि व अ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिल इस्लामि व आलिही व वालियिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द वलिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलिय्यिल्लाहि व आलिही व कुल्लि उममि रसूलिल्लाहि कुल्ल अ़ ददि अस्रारिल्लाहि कुल्लल ह़ालि ।

मुराद : अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है ऐ हमारे अल्लाह सारा ह़म्द अल्लाह ही के लिए है, वाहि़द अल्लाह ही इलाह है सर्मदी दुरूद और दाइमी सलाम हमारे मौला लिवाए ह़म्द के ह़ामिल के लिए हो कि उसका इस्म ह़ामिद है और (दुरूदो सलाम) अल्लाह के मम्दूह़ के लिए हो, अल्लाह के सारे आ़लम की अस़्ल के लिए हो और सारे आ़लम के इमाम के लिए हो और अल्लाह की अ़ताओं के मोअ़ती के लिए हो और राहे होदा की दमक के लिए हो और वह अल्लाह का वदूद मोहम्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और उस रसूल के वालिद दमक वाले हुए सारे वालिद से और माँ सारी माओं से और आलो औलाद सारे आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी के लिए हो और आल के लिए हो, इस्लाम के मददगार के लिए हो और आल के लिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह के लिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम मअ़ अ़ददे अस्रारे इलाही के।

तौज़ीह़ी तर्जमा:- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है। ऐ हमारे अल्लाह तेरे ही लिए तमाम तअ़रीफ़ है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू भेज ख़ूब ख़ूब सर्मदी दुरूद और दाइमी सलाम हमारे मौला तेरे ह़म्द का झन्डा उठाने वाले पर जिनका इस्मे पाक "ख़ूब अल्लाह की तअ़रीफ़ करने वाला" है और तेरे तअ़रीफ़ किए हुए पर और तेरे सारे जहान की जान पर और तेरे सारे जहान के पेशवा पर तेरी नेअ़मतों के अ़ता करने वाले पर और हिदायत के नूर पर और वह तेरी मोह़ब्बत मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद(सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रद़ियल्लाहु अ़न्हु) तमाम वालिद में सब से ज़्यादा दमक वाले हैं और जिनकी माँ (बी बी आमिना रद़ियल्लाहु अ़न्हा) तमाम माओं में सब से ज़्यादा दमक वाली हैं और जिनकी आलो औलाद तमाम आलो औलाद में सब से ज़्यादा दमक वाले हैं और (दुरूदो सलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रद़ियल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ात़ेमा ज़हरा (रद़ियल्लाहु अ़न्हा) पर और दीन के

ज़िन्दा करने वाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी (रद़ियल्लाहु अ़न्हु) पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस़्ह़ाबे रूहानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम अस्रारे इलाही की तअ़दाद के मुत़ाबिक़।

फ़ज़ीलत सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहल मीम ग़ैर मन्क़ूत

जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना १००/११/५ बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाह व रसूल की ख़ुश्नूदी ह़ासिल होगी और उस की हर ह़ाजत पूरी होगी वह हर दुश्मन और हर ह़ासिद से मह़फ़ूज़ हो जाएगा और ज़ुम्रए सुल्ह़ा में उस का शुमार होगा नीज़ उसे अहले बैत की शफ़्क़त व मोह़ब्बत ह़ासिल होगी और उन का दीदार नसीब होगा ईमान पर ख़ातेमा होगा और वह नफ़्से मुज़क्का व क़ल्बे मुसफ़्फ़ा व रूहे मुतजल्ला की नेअ़मत से बहरा मन्द होगा और वह अ़ज़ाबे दहर व क़ब्र व ह़श्र से मह़फ़ूज़ रहेगा। इन्शाअल्लाहु तआ़ला।